भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †2127
सोमवार, 9 दिसम्बर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

सतत पर्यटन संवर्धन

†2127. श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री लुम्बा रामः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा सतत पर्यटन पद्धतियों, विशेषकर पारिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों और विरासत स्थलों में, सतत पर्यटन पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है ताकि पर्यावरणीय विकास के साथ-साथ पर्यटन विकास को संतुलित किया जा सके;

(ख) प्रमुख पर्यटन स्थलों के संदर्भ में अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसी अनुकूल अवसंरचना निर्माण और उत्तरदायी पर्यटन नीतियों के कार्यान्वयन में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ग) पर्यटन मूल्य श्रृंखला में स्थानीय समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने/उन्हें आर्थिक लाभ प्रदान करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): सतत पर्यटन सहित पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और प्रचार, मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है।

पर्यटन मंत्रालय विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत का समग्र रूप से संवर्धन करता है। चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में, सतत पर्यटन और सतत पर्यटन संबंधी प्रथाओं को बढ़ावा देना भी शुरू किया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने सतत पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति तैयार की है। इस रणनीति में, स्थायी पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित रणनीतिक स्तंभों की पहचान की गई है:

(i) पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना
(ii) जैव विविधता की रक्षा करना
(iii) आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देना
(iv) सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता को बढ़ावा देना
(v) सतत पर्यटन के प्रमाणीकरण की योजना
(vi) आईईसी और क्षमता निर्माण
(vii) शासन व्यवस्था

मंत्रालय ने देश में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों और पर्यटन संबंधी व्यवसायों को सतत पर्यटन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ट्रैवल फॉर लाइफ कार्यक्रम शुरू किया है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन और गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के तौर पर नया रूप दिया है। यह योजना पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने को प्रोत्साहित करती है।

****